17/03/2024

आकाशवाणी ईटानगर

चुनाव आयोग ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती की तारीख 4 जून की जगह 2 जून कर दी है। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यक्रम के संबंध में कोई बदलाव नहीं होगा। चुनाव आयोग ने कल आम चुनावों के कार्यक्रम के साथ-साथ सिक्किम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी। बत्तीस सदस्यीय सिक्किम विधानसभा और 60 सदस्यीय अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के लिए उन्नीस अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के साथ एक ही चरण में मतदान होगा। एक सौ पचहत्तर सदस्यीय आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुनाव 13 मई को एक ही चरण में होगा और एक सौ सैतालीस सदस्यीय ओडिशा विधानसभा के लिए मतदान लोकसभा चुनाव के साथ 13, 20, 25 मई और 1 जून को चार चरणों में होगा।

0000000000000000000

चुनाव आयोग ने चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से डिजीटल रूप में प्राप्त डेटा को आज अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। डेटा को www.eci.gov.in/candidate-politicparty पर एक्सेस किया जा सकता है। EC ने एक बयान में कहा कि राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार चुनावी बांड पर सीलबंद कवर में डेटा दाखिल किया था। राजनीतिक दलों से मिला डेटा बिना सीलबंद लिफाफा खोले सुप्रीम कोर्ट में जमा कर दिया गया।

इस साल 15 मार्च को शीर्ष अदालत के आदेश के अनुपालन में, सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने सीलबंद लिफाफे में एक पेन ड्राइव में डिजीटल रिकॉर्ड के साथ भौतिक प्रतियां वापस कर दी हैं।

00000000000000000000000

लोकसभा चुनाव और चार राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। कैबिनेट सचिव, सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि सरकारी संपत्ति पर किसी भी अन्य रूप में दीवार लेखन, पोस्टर, कागजात या विरूपण को चुनाव की घोषणा के 24 घंटे के भीतर हटा दिया जाएगा। निजी संपत्ति पर प्रदर्शित सभी अनधिकृत राजनीतिक विज्ञापनों को चुनाव की घोषणा के बहत्तर घंटों के भीतर हटा दिया जाएगा। आयोग ने यह भी बताया कि किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा चुनाव से संबंधित आधिकारिक कर्तव्य निभाने वाले अधिकारियों को छोड़कर, प्रचार या चुनाव प्रचार के लिए कुछ अपवादों के अधीन आधिकारिक वाहनों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि सरकारी खजाने की कीमत पर सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने वाले इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा।

000000000000000000000000

लोअर सुबनसिरी जिला पुलिस ने शनिवार शाम जीरो में एक यादृच्छिक नाका चेकिंग के दौरान उनसाठ दशमलव शून्य दो लाख रुपये की भारी नकदी जब्त की है।

कामले जिले के बोआ शिमला निवासी बोआ टेरी के पास से यादृच्छिक नाका चेकिंग के दौरान नकद राशि जब्त की गई। कथित तौर पर, जब्त की गई राशि ले जाने वाला वाहन जीरो से कामले जिले की ओर जा रहा था। इस बीच, लोअर सुबनसिरी जिला चुनाव अधिकारी विवेक एच.पी. ने बरामदगी के लिए जिला पुलिस टीम को बधाई देते हुए उन्हें आगामी चुनावों के मद्देनजर सभी रणनीतिक स्थानों पर लगातार सतर्क रहने की सलाह दी।

00000000000000000000

आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ, चुनाव तैयारियों के संबंध में आज उपायुक्त सह आरओ 13-ईटानगर (एसी) श्वेता नागरकोटी मेहता ने एसपी ईटानगर रोहित राजबीर सिंह, एसपी नाहरलागुन मिहिन गाम्बो, ईएसी, सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ एक बैठक बुलाई। फ्लाइंग स्क्वाड टीम (एफएसटी) और अन्य। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी ने सभी से राजधानी ईटानगर में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए समर्पण और समर्पण के साथ अनुकरणीय सेवाएं प्रदान करने को कहा। उन्होंने बताया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट, एफएसटी, वीएसटी, एसएसटी और वीवीटी को पहले से ही राजधानी क्षेत्र में चौबीसों घंटे तैनात किया गया है और उनसे लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव से पहले एमसीसी के किसी भी संभावित उल्लंघन पर नजर रखने का आग्रह किया गया है। उन्होंने मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग सेल को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पेड न्यूज और अन्य विज्ञापनों के साथ-साथ सोशल मीडिया मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया।

00000000000000000000

जवाहरलाल नेहरू कॉलेज, पासीघाट में वनस्पति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. टेमिन पायुम ने कई बीमारियों के इलाज के लिए एक हर्बल उपचार चाय बनाई है। पायुम ने काली हल्दी (करकुमा सीज़िया) के प्रकंद और पत्तियों का उपयोग करके विशेष चाय तैयार की है, जो प्राकृतिक वनस्पति में उपलब्ध एक परित्यक्त मौसमी पौधा है। शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए, डॉ. पयूम ने बताया कि उन्होंने पहले ही काली हल्दी चाय के पोषण और औषधीय गुणों पर जैव रासायनिक प्रयोगों की एक श्रृंखला पूरी कर ली है और बाजार में उपलब्ध अन्य चाय उत्पादों की तुलना में सबसे फायदेमंद घटक की पुष्टि की है।

0000000000000000000